MUNI INTERNATIONAL SCHOOL

शब्दकोष

प्रस्ताव

प्रत्येक शब्द किसी वस्तु को इंगित करता है। वस्तु किसी अर्थ को इंगित करती है। अर्थ दो चीजों मे होता है या तो मूर्त होता है या अमूर्त होता है, या दृष्टिगोचर होता है या ज्ञानगोचर होता है।

DISCLAIMER

ये विस्मयकारी या उत्तेजक हो सकता है पर विचारणीय है। मुनि इंटरनेशनल स्कूल किसी भी वैचारिक मतभेद की जिम्मेवारी नहीं लेता ये प्रस्ताव है।

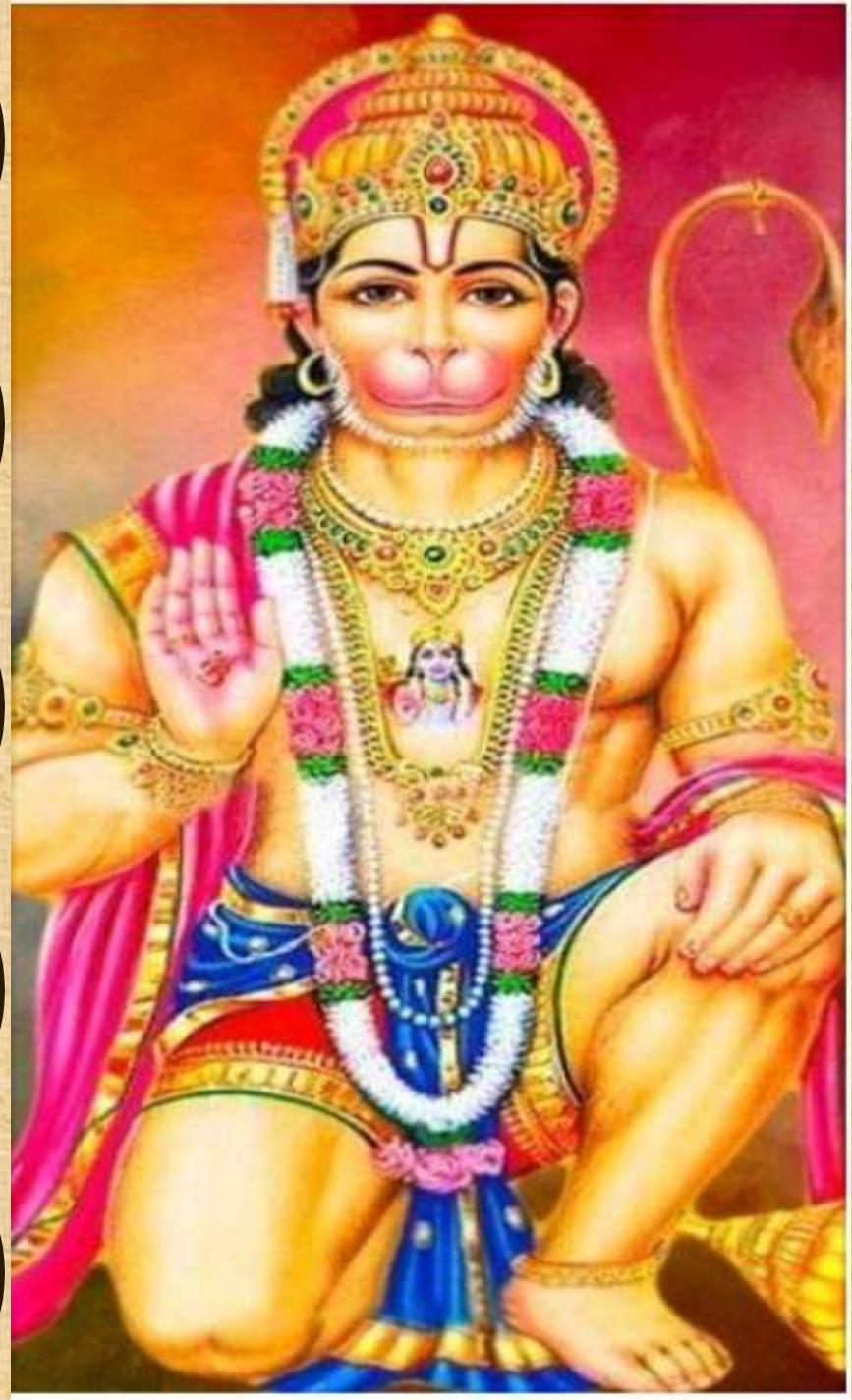

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
हनुमान	राम का शक्तिशाली भक्त	स्वामी और राज भक्ति अनुशाशन और प्रोटोकॉल, स्त्री सम्मान और इंद्रिय का संगम

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
सह-अस्तित्व	साथ-होना, साथ-रहना, साथ बैठना	स्वयं को बनाये रखते हुए साथ वाले के लिए भी उसी निष्ठा से भागीदार करना ताकि उसका अस्तित्व बना रहे। क्युकी अस्तित्व ही सह अस्तित्व है।
संबंध	जन्म से मिले हुए रिश्ते (जैसे - दादा - दादी, मामा मामी, माँ - पापा)	सभी का एक साथ बंधे या जुड़े होना! पूर्णता के अर्थ मे सबके साथ जुड़े रहना।
न्याय	सही निर्णय लेना	संबंधो मूल्यों की पहचान व निर्वाह क्रिया। मोबाइल को सुरक्षित बनाए रखने के लिए (कवर करना, tempered glass, lamination, सही तरह से इस्तेमाल करना मोबाइल के साथ न्याय है।
उत्सव	त्यौहार - (होली, दिवाली, आदि)	खुशी मानना ही उत्सव है ।संबंधो में उपयोगिता पूरकता व निहित मूल्यों का निर्वाह।
सत्य	सच	जो हमेशा एक सा हो और एक सा आभास होता हो।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
जीवन	आत्मा	जो शरीर को चलाता है। मरने के बाद शरीर कार्य करने के योग्य नहीं होताजो अब तक कार्य हो रहा था वो जीवन के द्वारा हो रहा था।
समृद्धी	पैसा और भौतिक सुविधाएं	आवश्कता से अधिक होने का भाव। दो रोटी होने पर एक रोटी से पेट भर दूसरी रोटी से किसी दूसरे का पेट भरने का भाव ही समृद्धि का भाव है।
धर्म	(हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई)	जिसको जिससे अलग न किया जा सके। जेसेः- पेन को उसकी स्याही से अलग नहीं किया जा सकता यदि किया तो पेन का अर्थ खत्म हो जाएगा। पेन का धर्म है लिखना।
करुणा	दया(देना)	जिनमे पात्रता (योग्यता) और वस्तु न हो, उनको उसे उपलब्ध कराने वाली क्षमता। जेसे: माता-पिता अपनी सन्तान के लिए पात्रता और वस्तु दोनों उपलब्ध कराते हैं। यही करुणा है।
दया	दया(देना)	जो जैसे जी रहा है उसमे हस्तक्षेप न करते हुए उसके विकास में सहायक होना।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
कृपा	दया(देना)	वस्तु है पर उसके अनुरूप पात्रता(योग्यता) नहीं है, उसको पात्रता उपलब्ध करने वाली क्षमता।
दृष्टी	देखना,नजर	जो जैसा है उसे वैसा देखना ही दृष्टी है। उदाहरण:- जैसे किसी के गुस्सा होने पर हम भी प्रभाव में आ जाते हैं बिना कारण जाने।
कर्तव्य	फर्ज	मूल्यों का निर्वाह हो जाना ही कर्तव्य है। जैसे:- अध्यापक का कार्य पढ़ाना है लेकिन अगर वह अपने कार्य को कर्तव्य के साथ जोड़ दे तो वह गुरु और शिष्य के मूल्यों का निर्वाह होगा।
सर्वश्रेष्ठ	सबसे बडा़ (पद और धन) के आधार पर	कमं और समझ के आधार पर श्रेष्ठता का स्तर। दो वस्तुओ की तुलना मे श्रेष्ठता का चयन। जैसे :- परीक्षा मे भाग ले रहे दो बच्चो के अंक देख कर ज्यादा अंक लाने वाला बच्चा श्रेष्ठ नही बल्कि उसके द्वारा की गयी कोशिश श्रेष्ठ होती है।
सम	जोड़ (जोड़े)	दो इकाइयों का परस्पर आपस मे पड़ने वाला अच्छा प़भाव ।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
उपयोगिता	जरूरी	आहार , आवास, अलंकार , दूरदशंन संबंधी कार्य योग्य। (दूसरो की पूरकता होने मे आपकी उपयोगिता) दूसरे के बने रहने और आगे बढ़ने के लिए जरूरी कौशल का विकास।
विषम	कठिन	दो इकाइयों का परस्पर आपस मे पड़ने वाला बुरा प़भाव ।
मध्यस्थ	बीच का	सम , विषम, से अप़भावित।
आश्रम	साधुओं के रहने की जगह	जहाँ जीवन पद्धति में समझकर श्रमपूर्वक कार्य करने की प्रधानता हो , जीवन जीने की विभिन्न अवस्थाएँ। वह स्थान जहाँ हम एकत्रित होकर विभिन्न कार्य , कौशल इत्यादि समझे, सीखे, व उसे प्रमाणित करे।
अभय	बिना डर के	सुरक्षा व रक्षा का भाव। समाज में यह भाव तभी होगा जब समाज अखंड होगा।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
अस्तित्व	वजूद	आपकी मौजूदगी का भाव। आपके होने का भाव , हमेशा स्वयं ही बने रहना। हर परिस्थिति का सामना करते हुए , अपनी उपयोगिता बनाये रखे हुए मौजूद रहना।
उपकार	एहसान	किसी के लिए किया गए कार्य। वह कार्य जिससे आप उन्नति , समझदारी की ओर जाते है तथा अपने आस पास का वातावरण वैसा बना लेते है।
अध्ययन	पढाई	गहनता। जो समझ नहीं आ रहा उसका अभ्यास करना उसका प्रत्यक्ष प्रमाण ढूढ़ना , व्यवहार में लाने का प्रयास करना।
आशा	उम्मीद	किसी बात या इच्छा की पूर्ण होने की उम्मीद। किसी इच्छा से स्वयं को जोड़ लेना या बांध लेना।
अखंड समाज	जिसके खंड न किए जा सके ऐसा समाज	जो समुदाय सम्पूर्ण हो , ऐसा समुदाय जो सम्पूर्णता के लिए हमेशा और निरंतर कार्यरत हो। और अनेकता में एकता का उदाहरण हो।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
जगत	दुनिया	पृथ्वी का वह भाग या खंड जहाँ चरों अवस्था का प्रमाण मिलता है। सृष्टि।
अभिमान	घमंड	आरोपित मान (मापदंड) जिसमें स्व, बल, बुद्धी, रूप, पद, धन, को श्रेष्ठ तथा अन्य को नेष्ट मानने वाली प्रवर्ती एवं क्रिया।
स्वार्थ	अपना मतलब	मानवीय चेतना विधि में स्वयं का अर्थ (जागृति) ।
छल	धोका	विश्वासघात के अंदर भी उसका भास, आभास न हो।
त्याग	छोड़ना	अनावश्यक का विसर्जन।
दुखी	परेशान	साधनहीन, रोगी, अज्ञानी।
प्रतीक्षा	इंतजार	फल की अपेक्षा काल गति विधि से।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
भय	डर	अमानवीय मूल् परवर्तीयों का स्व पर प्रभाव।
मानसिकता	सोच	संस्कारों का (स्वीकृतियों का) प्रकाशन क्रिया।
विवश	मजबूर	मान्यताओं के साथ, भ्रमित होने के कारण।
लोभ	लालच	पात्रता से अधिक प्राप्ति की आशा।
श्रेष्ट	बड़ा	मानवीयता अमानवीयता की अपेक्षा मे श्रेष्ट, देवमानवीयता, मानवीयता से श्रेष्ठ।
पशु मानव		दीनता, हीनता, क्रूरतावादी, स्वभाव! प्रिय, हित, लाभ, दृष्टि एवं विषय चतुष्टय मे प्रवर्ती तथा आसक्ति और भय प्रलोभन से पीड़ित
राक्षस मानव		क्रूरता, हीनता, दीनात्मक स्वभाव, आहार, निद्रा, भय, मैथुन आदि चार विषय, सीमान्तव्रती, प्रवर्ती एवं प्रिय, हित, लाभ, दृष्टि सहित मनुष्य

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
मृत्यु	खत्म हो जाना।	शरीर की रचना विरचना।
निष्ठा	किसी व्यक्ति या संस्था के प्रति समर्पण	निश्चित विधि के प्रति समर्पित और उसकी निरंतरता बने रहना।
नियति	तीसरी शक्ति, भगवान, अल्लाह, के द्वारा लिखा हुआ।	सह अस्तित्व, सहज प्रक्रिया, प्रणाली और प्रमाण।
सम्मान	आदर /मान करना	सम बराबर मान।
पूजा	वंदना / आरती	अग्रिम श्रेष्ठाता के लिए प्रवर्तन प्रवर्तित होने के लिए किया गया सभी औपचारिक कार्य।
पाखंड	गलत कार्य	दिखावा पूर्वक विश्वासघात करना।
स्वतंत्र	आजाद/ कुछ भी करने की आजादी।	स्व के तंत्र मे बने रहने का अर्थ।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
परतंत्र	दूसरे के अनुसार चलना।	हास के लिए प्राप्त दबाव, गति व आचरण।
अनुप्राणित	अलग किया हुआ।	चार अवस्था व चार पद व्यवस्था सहज रूप में प्रमाण परंपरा।
अनुभूति	अहसास , अनुभव	अनुक्रम से प्राप्त सतर्कता एवं सजगता पूर्ण समझदारी की अभिव्यक्ति, प्राप्य की उपलब्धि के लिए किए गए बौद्धिक एवं भौतिक प्रयास।
अन्याय	अनुचित व्यवहार	मानवीयता और गुणात्मक विकास में बाधक क्रियाकलाप।
अमीर	धनवान	अधिक संग्रही या संग्रही।
अलाभ	नुकसान	अधिक मूल्य के प्रदान में कम मूल्य का आदान।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
अवस्था	पड़ाव	चार अवस्था (पदार्थ, प्राण, जीव, ज्ञान)। पूरकता उपयोगिता विधि से प्रकटन इसी धरती पर । विकास के क्रम में आश्वस्त होने में, से, के लिए इकाई की स्थिति, अनुभव के प्रकाश में समाने वाली क्रिया।
आकांक्षा	चाह, इच्छा	आवश्यकता व उपयोगिता सहज कामनायें। आतुरता पूर्वक देखने, समझने, करने व पाने की इच्छा।
आत्मा	पाण , स्वभाव	गठनपूर्ण परमाणु में कार्यरत मध्यांश । चैतन्य परमाणु के केन्द्र में संपन्न मध्यस्थ क्रिया भार मुक्ति। जीवन या जागृत जीवन में सत्यानुभूति-सत्यानुभव, मूल्यानुभव।
आदेश	आज्ञा	प्रयोजनशीलता सहज अभिव्यक्ति, संप्रेषणा, व्यवस्था में भागीदारी के अर्थ में। निश्चित कर्म प्रक्रिया व समाधान संप्रेषणा। आग्रह पूर्वक ज्ञापन।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
आनंद	खुशी	सहअस्तित्व में अनुभव । सहअस्तित्व में अनुभूति, फलस्वरूप सत्यानुभूत इकाई के बुद्धि होने वाला आप्लावन प्रभाव। अनुभव की अभिव्यक्ति, संप्रेषण क्रिया अर्थात् प्रमाण और प्रामाणिकता की अभिव्यक्ति संप्रेषण क्रिया।
आलोक	देखना	प्रकाश प्रभावन क्रिया। सर्वत्र, सर्वदा ज्ञानमयुता।
आसव	रस, शराब	मीठा पदार्थ को सड़ाकर किया गया वाष्प संग्रह ।
आशा	भरोसा	जीवावस्था में जीने की आशा, ज्ञानावस्था में सुख आशा के रूप में। सुखापेक्षा सहित, आस्वादन और चयन क्रिया।
इच्छा	चाह , कामना	विश्लेषणात्मक प्रकाशन-अपेक्षा सहित चित्रण क्रिया। दर्शन एवं उसके प्रकटन की संयुक्त चिंतन क्रिया। आकार-प्रकार, प्रयोजन एवं संभावना का चित्र ग्रहण एवं निर्माण करने तथा गुणों का गतिपूर्वक नियोजन करने वाली क्रिया। जीवन शक्तियाँ, गुण, स्वभाव, धर्म के रूप में व्याख्यायित होती है। विश्लेषण और अपेक्षा के अनुसार। इच्छानुसार ।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
स्वयं	अपने आप में।	जीवन रूप में और शरीर के संयुक्त रूप में मानव का स्पष्ट बोध प्रमाण होना।
स्वपन	सपना	प्रमाणित ना होने वाले परिकल्पनाएं।
वीरता	वीर होने का भाव।	दूसरों को न्याय उपलब्ध कराने में अपनी भौतिक एवं बौद्धिक शक्तियों का नियोजन करना।
लोभ	लालच	पात्रता से अधिक प्राप्ति की आशा।
रहस्य	राज / गुप्त बात	स्पष्ट एवं प्रमाणित ना होना/क्रिया मात्र को जानने में जो अपूर्णता है वह रहस्य है।
प्रयास	कोशिश	विकास और जागृति की और निश्चित कार्यक्रम।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
प्रभाव	अस्तित्व में आना।	क्रिया की प्रतिक्रिया।
समर्पण	अर्पित करना।	स्व संतुष्टि में, से, के लिए, तन, मन, धन रूपी अर्थ नियोजन क्रिया।
अमीर	ज्यादा पैसों वाला, धनवान	अधिक संग्रही या संग्रही।
अरमान	सकारात्मक+ नकारात्मक	सकारात्मक अपेक्षाएं।
असमर्थ	कुछ ना कर पाना	नासमझी
अशांति	शोर	समस्या ग्रस्त मानसिकता।
अज्ञानी	जिसके पास ज्ञान ही ना हो।	भ्रमित मानव

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
आकाश	धरती से बहुत दूर और धरती से कोई संबंध ना होना।	धरती का वातावरण।
आचार्य	अध्यापक	जागृति सहज पारंगत व्यक्ति।
आलस्य	कोई भी कार्य करने में मन न लगना।	कार्य की उपादेयता को जानते हुए भी व्यवहार में ना होना।
मानना	स्वीकार करना, राजी होना और समझना।	जागृति क्रम में बिना जाने सुख का स्रोत मानना मान्यता के आधार पर वाद विवाद पूर्वक हर बात को प्रस्तुत करना।
शांति	मन की स्थिरता।	इच्छा और विचार के बीच में संगीतमय तालमेल को शांति कहते हैं।
प्रचलित	परंपरा में आचरित, प्रमाणित।	व्यावहार आदि में लाया हुआ, चलनसार।
लक्ष्य	श्रेय और प्रेय	लक्ष्य विश्राम ही है। वह केवल सत्य में ज्ञान एवं अनुभव है। उदेश्य।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
इमानदारी	समझदारी के अनुरूप निर्णय लेने की और प्रस्तुत होने करने की क्रिया प्रणाली।	कपट से मुक्त होना, सच्चा।
निर्णय	प्रयोग, व्यवहार एक अनुभव से सिद्ध तथ्य। समाधान सहज सम्प्रेषणा।	फैसला, उचित ठहराना।
जानना	जो स्थिति, गति व क्रिया जैसी है उसे वैसे ही स्वीकारना। बोध होना, अनुभव होना, प्रमाणित होना।	सूचना पाना, परिचय होना, ज्ञान होना।
संगत	साथ रहने वाले, सोहबत, संपर्क दल या मंडली।	संयोग से मिलन, उदेश्य पूर्ति के लिए तत्परता ।
अपराध	नियति विरोधी पर, धन पर, नारी पर, पुरुष पर पीड़न किया।	महा पाप, अधर्म, जुर्म आदि।

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
अवकाश	मोहलत, खाली समय, छुट्टी, रिहाई, मुक्ति आदि	प्रत्येक इकाई की परस्परता के मध्य में पाए जाने वाले रिक्त स्थान के रूप में ऊर्जा, व्यापक अस्तित्व
मूल्यांकन	गण, गिनना, किसी वस्तु की उपयोगिता का महत्त्व के होने वाला आंकलन	विश्वास पूर्वक परस्पर मूल्यों का पहचान परियोजना के अर्थ में आवश्यकता सार्थकता जागृति कर्म में मूल्यों को पहचानने की प्रक्रिया
सूत्र	सूत, नुस्खा, धागा आदि	नियम और प्रक्रिया का संक्षिप्त भाषा कारण यथार्थता का स्रोत
सौजन्यता	उदारता, अनुकम्पा, करुणा, मित्रता	मानव सहज समानता का स्वीकृत पूर्वक किए गए सम्प्रेषण सहकारिता
संयोग	सम्बंध, मेल, भाग्य, अवसर आदि	पूर्णता के अर्थ में मिलन
संयम	नियंत्रित कार्यक्रम	धैर्य, अधिकार, गंभीरता, संतुलन

शब्द	प्रचलित अर्थ	वास्तविक /प्रस्तावित अर्थ
स्पर्श	छूने-योग्य	परस्पर छूने का स्वीकृत सम्वेदना
स्वभाव	अवस्था, अपना भाव, आदत, मिजाज, खासियत	मानवता पूर्ण स्वभाव धीरता, वीरता, उदारता, दया कृपा, स्वयं की मौलिकता

IT IS A BEGINNING NOT A END

THANK YOU